





१ श्रीगणेशाय नमः॥ ॥ चन्द्रमापूजा ॥ ॥ बी
स्वाखेले ॥ नेसियो ॥ ॐ अङ्गादि ॥ काश्यपगोत्र
पा असुक लक्ष्मामम सो भाग्य हृदि पूर्वक सकल
रोग शोको पडवादि निवारण त्वायु ए रोग्येभ्य
र्य शुभफल पा प्रथं पूर्णिमाव्रत चंद्रपूजा कर्तुं
वृहद्भावने अर्घं नमः॥ ॥ गुरुनमस्कार ॥ न्या
स ॥ अर्घपात्रपूजा ॥ आत्मपूजा ॥ आसनः॥

ॐ ह्रीं सामनाये नमः॥ ध्यानः॥ श्वेती श्वतावरधरो
दशाश्वः श्वेतभूयसा ॥ गुरोपाणि विवाङ्मुखा
तनो वरदः शशी ॥ ध्यानपुष्प ॥ पाद्यादि ॥ त्रिधा
जलि ॥ ॐ स्वां स्त्रीं सुं स सोमाये नमः॥ ३ ॥ आ
वर्णा ॥ अरुद्र ॥ ॐ स्वाहृदयाय नमः॥ इत्यादिषु
उद्गनपूजा ॥ ६ ॥ ॐ आदि न्यायनमः॥ सर्व ॥ ॐ

गारायेः स्वधाये नमः २ पृहस्पते २ शुक्राय २ शनैश
श्वराये नमः ॥ राहवे २ केतुवे २ ॥ सोमाये २ ॥ ॐ
आश्विनै नमः ॥ रुवं ॥ भरणि २ ॥ दत्तिकाये २ ॥
रोहिणी २ ॥ मृगशिरा २ ॥ आर्द्रा २ ॥ पुनर्वसु नमः
॥ ज्येष्ठा २ ॥ अश्लेषा २ ॥ मघा २ ॥ पूर्वफाल्गुन नमः
॥ उत्तरफाल्गुनि २ ॥ हस्ता २ ॥ चित्रा २ ॥ स्वति २ ॥

विशाखा नमः ॥ अश्लेषा २ ॥ ज्येष्ठा २ ॥ मूल २ ॥ पूर्वा
षाढा २ ॥ उत्तराषाढा २ ॥ अवगा २ ॥ धनेष्ठा २ ॥ शतभिषा
षा २ ॥ पूर्वभद्र २ ॥ रेवति २ ॥ २७ ॥ ॐ लुई इन्द्राय नमः ॥ रु
वं ॥ अग्रय यमाय नैऋत्याय वरुणाय वायवे क
वेरायः इशानाय अर्द्धाय उर्द्धाय ॥ १० ॥ वज्राय
नमः ॥ रुवं ॥ शक्राय २ ॥ डण्डाय खड्गाय पाशाय
ध्वजाय गडाय विश्वलाय चक्राय पद्माय ॥ १० ॥



॥ चंद्रमा प्र

धूपदिपतेव अफलताम्बूलपक्वान् ॥ अर्घ्य ॥ क्षी
रोदाशावसंभूत अतिनेत्रममुद्रव ॥ शशाङ्करो
हिगोभर्तागृहाणा धनमोस्तुते ॥ ॥ अथ गु
ह्यमराडलादि मालकीपूजा ॥ जप ॥ सोत्रदीधिति
खतुषारभं क्षीरोदाशावसंभव ॥ नमामिशिशि
नेदेवं सभोमकुटभूयर्षी ॥ दक्षिणा ॥ बीस्वीका

यः न्यास सूर्यमाक्षी ॥ इति चन्द्रपूजा ॥

